पाठ- 9. कब आऊँ

प्रश्न 1. सेठ ने किस रंग में कपड़ा रंगने को कहा?

उत्तर- सेठ ने अंवती से किसी भी रंग में कपड़ा रंगने को नहीं कहा, क्योंकि वह तो सिर्फ उसे दुखी करना चाहता था|

प्रश्न 2. अवंती ने कपड़ा अलमारी में बंद कर दिया | क्यों?

उत्तर- अवंती सेठ का इरादा जान गया था, इसलिए उसने कपड़ा अलमारी में बंद कर दिया|

प्रश्न 3. सेठ कपड़ा लेने किस दिन आया होगा ?

उत्तर- सेठ कपड़ा लेने किसी भी दिन नहीं आया होगा|

कौन छुपा है कहाँ ?

प्रश्न- नीचे के वाक्यों में कुछ हरी-भरी सब्जियों के नाम छूपे हैं| ढूँढों तो ज़रा-

उत्तर-

अब भागों भी, बारिश होने लगी है| गोभी

मामू लीला मौसी कहाँ है? मूली

शीला के पास बैग नहीं है| बैंगन

रानी बोली- हमसे मत बोलो| सेम

गोपाल कबूतर उड़ा दो| पालक

सही जोड़े मिलाओ

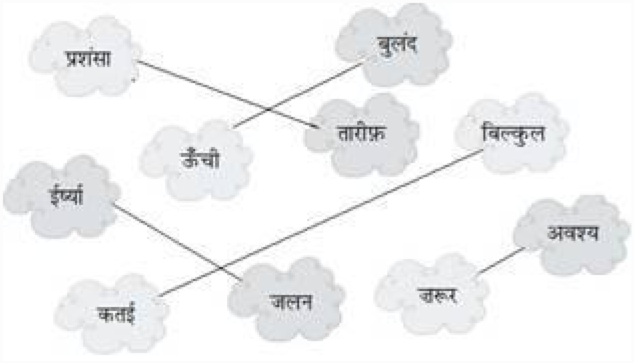

मुहावरे

प्रश्न- चित्रों को देखो| क्या इन्हें देखकर कुछ मुहावरे या कहावते याद आती हैं? उन्हें लिखो|

उत्तर-

अँधेरा

चिराग तले अँधेरा

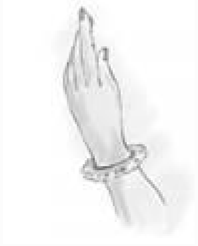

आरसी

हाथ कंगन को आरसी क्या

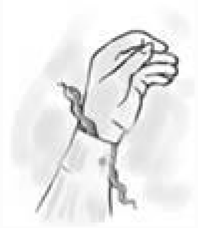

आस्तीन
आस्तीन का साँप

ग्यारह
एक और एक ग्यारह

कहो कहानी

विद्यालय, गुरु जी, छुट्टी, बंदर, डंडा, पेड़, केला, ताली, बच्चे, भूख| इस शब्दों को पढ़कर तुम्हारे मन में कुछ बातें आई होंगी| इन सब चीज़ों के बारे में एक छोटी-सी कहानी बनाओ और अपने साथियों को सुनाओ|

उत्तर- विद्यालय में गुरू जी विद्यार्थियों को बिठा कक्षा में पढ़ा रहे थे| कुछ देर बाद आधी छुट्टी का समय होने वाला था| तभी एक बंदर वहाँ आ गया| गुरु जी डंडा लेकर उसके पीछे भागे बंदर पेड़ पर चढ़ गया| एक बच्चे ने बंदर की तरफ केला फेंका| बंदर को भूख लगी थी| वह केला लपकर खा गया| सब बच्चे बंदर हो केला लपककर खाता देखकर ताली बजाने लगे| केला खाकर चला गया|

उछालो

प्रश्न- एक रूमाल या छोटा-सा कपड़ा उछलकर देखो| किसका रुमाल सबसे ऊँचा उछालता है?
उत्तर- रुमाल लगभग एक समान ऊँचाई तक ही उछालते हैं|
प्रश्न- रूमाल के साथ बिना कुछ बाँधे इसे और ऊँचा कैसे उछाला जा सकता है?
उत्तर- रूमाल के साथ बिना बाँधे, उसकी छोटी-सी तह बना कर उसे और ऊँचा उछाला जा सकता है|

समझ-समझदारी

प्रश्न- रंगाई शब्द रंग से बना है| इसी तरह और शब्द बनाओ-
उत्तर-

रंग	रंगाई
साफ़ चढ़ बुन	सफ़ाई चढ़ाई बुनाई

क्या समझे

प्रश्न- जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उनका मतलब बताओ-

उत्तर-

मुझे बैंगनी रंग कतई अच्छा नही लगता| – बिलकुल
अवंती ने सेठ का मंसूबा भाँप लिया| – इरादा
मैं तुम्हारा हुनर देखना चाहता हूँ| – निपुणता
सेठ बुलंद आवाज़ में बोला – स्वर, बोल
सेठ को इर्ष्या होने लगी| – ज़लन
रंग के बारे में मेरी कोई खास पसंद तो है नहीं| – विशेष

गृहकार्य

कैसा लगा आफंती

प्रश्न- आफंती के बारे में कुछ वाक्य लिखो| तुम उसके कपड़ों , शक्ल-सूरत, पालतू पशु, बुद्धि आदि के बारे में बता सकती हो|
उत्तर- आफंती ने जोकरों वाले कपड़े पहन रखे थे| उसकी शक्ल-सूरत भी जोकर जैसी थी| उसके चेहरे पर दाढ़ी-मूँछें और सिर पर टोपी थी|

उसने गधा पाल रखा था| जिसकी बुद्धि बड़ी तेज थी| वह शारीरिक शक्ति के अपेक्षा बुद्धि से काम लेता था| वह बहुत समझदार सयाना था|

जोड़े ढूँढों

दिन-दीन मेला-मैला

ऊपर दिए गए शब्दों के जोड़ों में केवल एक मात्रा बदली हुई है| किसी भी मात्रा को बदलने से अर्थ बदल जाता है| ऐसे और जोड़े बनाओ| देखे, कौन सबसे ज्यादा जोड़े ढूँढ़ पाता है|

उत्तर- आदि – आदी
खिल – खील
छिन – छीन
सूत – सूत
जाती – जाति
पिला – पीला
कुल – कूल
मिल – मील

गृहकार्य

प्रश्न- कब आऊँ वाले किस्से को चित्रकथा के रूप में लिखो|